स्तर से जुड़ी है । अतः औद्योगिक क्षेत्र में विकास के साथ इस प्रकार की जनशक्ति की आवश्यकता में वृद्धि होगी । सिविल यांत्रिक और विद्युतीय इंजीनियरी जैसे अनेक तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में जनशक्ति संबंधी वर्तमान व्यवस्था पूर्णतया पर्याप्त है जबकि संगणक विज्ञान, रसायन इंजीनियरी और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे कुछ अन्य क्षेत्रों में इस व्यवस्था में वृद्धि लाने की आवश्यकता है ।

वर्ष 1993-94 में देश में वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर नामांकन 75.64 लाख था । देश के 407 इंजीनियरी संस्थाओं में स्नातक स्तर पर 98968 छात्रों के लिए स्थान हैं, 1011 पोलिटेकनिकों में डिप्लोमा स्तर पर 163675 छात्रों के लिए तथा 6280 स्कूलों में +2 स्तर पर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए 0.9.02 लाख छात्रों के लिए स्थान है ।

इंजीनियरी तथा व्यावसायिक शिक्षा की सुविधा में लगातार वृद्धि हो रही है । वर्ष 1994-95 में गुवाहाटी में एक नया भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान सृजित किया गया है । वर्ष 1994-95 में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् ने डिग्री स्तर की 40 नई इंजीनियरी संस्थाओं तथा 62 डिप्लोमा स्तरीय संस्थाओं को अनुमोदित किया है । वर्ष 1994-95 में 579 अनिधियत स्कूलों में नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम संस्वीकृत किए गए हैं । राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 1995 तक वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के 10% छात्रों को तथा 2000 ई० तक 25% छात्रों को व्यावसायिक धारा की ओर मोड़ने का लक्ष्य रखा गया है । इंजीनियरी और पालिटेक्निक शिक्षा के लिए ऐसा कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है ।

Computerisation in KVS

*838. SHRI MISA R. GANESAN:
SHRI GOVIND RAM MIRI:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have since decided to computerise progressively the work of Kendriya Vidyalaya Sangathan and its Regional Offices;

(b) if so, what is the annual outlay/expenditure earmarked/incurred therefor;

(c) whether the decision is likely to lead to retrenchment of staff; and

(d) if so, the details and rationale thereof?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Ye, Sir.

(b) Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS) has informed that, during 1994-95 an amount of Rs. 21.06 lakhs has been spent toward hardware/software and the site preparation of computerisation in Headquarters, Kendriya Vidyalaya Sangathan.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

Soil Conservation

*839. SHRI V. RAJESHWAR RAO:
DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR :

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state: (a) the massive soil conservation operations undertaken by this Government;

(b) the details of the various schemes under soil conservation;

(c) the area actually brought under soil conservation;

(d) the amount of money spent on this; and

(e) further steps taken to encourage soil conservation?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR): (a) to (e) Various soil conservation programmes undertaken by Government of India are as under: